केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान
रहमानखेड़ा, पो. काकोरी, लखनऊ-227 107 उ.प्र. (भारत)
Central Institute for Subtropical Horticulture
Rehmankhera, PO Kakori, Lucknow-227 107 U.P. (India).

अमरूद में अति सघन बागवानी (मीडो आर्चडिंग)

- अति सघन बागवानी (मीडो आर्चडिंग) उच्च उत्पादकता के साथ उच्च गुणवत्ता युक्त अमरूद उत्पादन की पद्धति है।
- इसके अन्तर्गत 1.0मी. x 2.0मी. की दूरी पर प्रति हेक्टेयर 5000 पौधे लगाये जा सकते हैं। इसके कैनॉपी का प्रबंधन नियमित कटाई–छँटाई के द्वारा किया जाता है।
- पौध रोपण के 2 महीने बाद पौधों की कटाई की जाती है जिससे कि काटे गये स्थान के नीचे से नयी शाखाएँ निकलें।
- दिसम्बर–जनवरी में प्रत्येक शाखा के 50 प्रतिशत ऊपरी भाग की कटाई कर दी जाती है जिससे कि और शाखाएँ निकलें। मई तक वृक्ष फैलाव की स्थिति प्राप्त कर लेता है।
- पौध रोपण के पहले वर्ष से ही उत्पादन शुरू हो जाता है। उत्पादन प्रथम वर्ष में 12.5 टन प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 3 वर्ष बाद 55 टन प्रति हेक्टेयर तक हो जाता है।

Phone :0522-2841022, 2841023, 2841024 Fax :0522-2841025
website:www.cishlko.org; E-mail:director@cish.ernet.in